" मीडिया द्वारा निष्पक्ष कवरेज से जागरूक लोकतंत्र की स्थापना होती है " : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 2015: संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो द्वारा 27 से 29 अप्रैल, 2015 तक मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए अधिकृत मीडिया कर्मियों के लिए संसदीय पद्धति और प्रक्रिया विषय पर आयोजित किये जा रहे परिचायक कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में प्रेस संसद और जनता के बीच संवाद की प्रमुख कड़ी की भूमिका निभाती है। प्रेस द्वारा निभायी जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के कारण ही इसे चौथा स्तंभ कहा जाता है। प्रेस और संसद दोनों ही लोकहित में कार्य करते हैं। संविधान निर्माताओं ने हमारी राज्य व्यवस्था में संसद की प्रमुखता के साथ-साथ मीडिया के महत्व को भी स्वीकार किया था। वे एक स्वतंत्र और सक्रिय प्रेस सहित अनेक तंत्रों के माध्यम से व्यवस्था के प्रत्येक स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा लाना चाहते थे।

श्रीमती महाजन ने आगे कहा कि मीडिया का कार्य जनता की भावनाओं को समझकर शासन व्यवस्था को उनकी तरफ मोड़ने का प्रयास करना भी है ताकि उनके हितों का ध्यान परमावश्यक रूप में रखा जाए। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का जीवंत प्रतीक है। यह मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह संसद एवं विधानमंडलों में लिए गए ऐतिहासिक एवं जनहित में पारित कराए गए अधिनियमों को भी प्रचारित-प्रसारित करे ताकि इन विधानमंडलों की प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि हो। मीडिया द्वारा निष्पक्ष कवरेज से जागरूक लोकतंत्र की स्थापना होती है।